हरिभूमि

सिरसा-फतेहाबाद भूमि

रोहतक, गुरुवार 23 अप्रैल 2026

9 22 सूत्रीय मांगों पर सहमति नहीं मिलने तक नहीं लौटेंगे कर्मचारी

10 क्रेसंट स्कूल में पृथ्वी उत्सव समारोह का आयोजन...

खबर संक्षेप

हेरोइन तस्करी में मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

फतेहाबाद। एंटी नारकोटिक सैल पुलिस ने कबीर बस्ती क्षेत्र में सक्रिय हेरोइन तस्करी नेटवर्क की मुख्य कड़ी को ढूंढ निकालते हुए मुख्य सप्लायर को दबोच लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान दलबीर सिंह पुत्र प्रभुदयाल, निवासी सन्यास आश्रम रोड, फतेहाबाद के रूप में हुई है। एंटी नारकोटिक सैल के प्रभारी निरीक्षक साधुराम ने बताया कि नशे के खिलाफ चल रही मुहिम के दौरान बीते कल यानी 21 अप्रैल को पुलिस टीम ने आकाश नामक युवक को कबीर बस्ती क्षेत्र से गिरफ्तार किया था।

वरिष्ठ नागरिक परिषद की बैठक 10 मई को

फतेहाबाद। वरिष्ठ नागरिक परिषद फतेहाबाद की मासिक बैठक जो 26 अप्रैल अंतिम रविवार को होनी थी उसको अब 10 मई रविवार को सायं 5 बजे बाल भवन फतेहाबाद में होनी निश्चित हुई है। यह फैसल गतदिवस कार्यकारिणी की हुई बैठक में लिया गया है। बैठक में पूरे वर्ष का लेखा जोखा तथा अन्य गतिविधियों बारे जानकारी दी जाएगी।

5 जिंदा कारतूस सहित युवक काबू

फतेहाबाद। सीआईए टोहाना ने एक युवक को 5 जिंदा कारतूसों सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दीपक उर्फ गोल्डी पुत्र श्यामलाल निवासी गांव नागला, टोहाना के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से .9 एमएम बोर के जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। सीआईए टोहाना प्रभारी उप-निरीक्षक अशोक ने बताया कि पुलिस टीम सरकारी गाड़ी में गांव बदई खेड़ा से ललौदा की तरफ गश्त पर तैनात थी।

डोडा पोस्त सहित तस्कर गिरफ्तार

फतेहाबाद। सीआईए रतिया ने एक युवक को 12 किलो 850 ग्राम डोडा पोस्त सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान विकास उर्फ ठाकुर पुत्र भगवान सिंह, निवासी सुखमनपुर, जिला फतेहाबाद के रूप में हुई है। सीआईए रतिया प्रभारी उप-निरीक्षक प्रदीप ने बताया कि पुलिस टीम लुहारी चौक पर गश्त के दौरान तैनात थी। इसी बीच सूचना के आधार पर कार्रवाई की।

ई-दिशा केन्द्र में हेल्प डेस्क स्थापित

फतेहाबाद। जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय द्वारा डीनोटिफाइड, नोमाडिक एवं सेमी-नोमाडिक (डीएनटी) जाति वर्ग के नागरिकों की सुविधा के लिए अंत्योदय भवन स्थित ई-दिशा केंद्र में सीट नंबर 29 व 30 पर सहायता केंद्र स्थापित किया गया है। इस पहल का उद्देश्य विशेषकर डीएनटी वर्ग के लोगों को विभिन्न सरकारी योजनाओं, सेवाओं व दस्तावेजी प्रक्रियाओं संबंधी जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध करवाना है।

मौसम विभाग का अलर्ट: अगले पांच दिनों में भीषण गर्मी और लू का खतरा

गर्मी का प्रकोप : अप्रैल में ही 45 डिग्री तक बढ़ सकता है पारा

- स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, सरकारी अस्पतालों में तैयारी पूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले में गर्मी ने अप्रैल में ही अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं और आने वाले दिनों में हालात और अधिक गंभीर हो सकते हैं। बुधवार को फतेहाबाद का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 26 डिग्री दर्ज किया गया, जो सामान्य से अधिक है। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले पांच दिनों में तापमान में करीब 4 से 5 डिग्री तक की बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में पारा 45 डिग्री के आसपास पहुंच सकता है, जिससे भीषण गर्मी और लू का खतरा बढ़ जाएगा।

कृषि मौसम विज्ञान विभाग, हिसार के पूर्वानुमान के अनुसार 25 अप्रैल तक प्रदेश में मौसम शुष्क और गर्म बना रहेगा। इस दौरान आसमान साफ रहेगा और तेज धूप के साथ लू चलने की संभावना है। दिन के तापमान में लगातार वृद्धि होगी, जबकि रात के तापमान में मामूली बदलाव देखने को मिलेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि दोपहर के समय बाहर निकलना जोखिम भरा हो सकता है और विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।

तेजी से बढ़ती गर्मी और संभावित हीट वेव को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड पर आ गया है। मिशन निदेशक, हरियाणा के निर्देश पर जिले के सभी सरकारी अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को हीट स्ट्रोक जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। सिविल सर्जन ने सभी चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण करें और यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों में बिजली की निर्बाध आपूर्ति बनी रहे। साथ ही पंखे, कूलर और एयर कंडीशनर पूरी क्षमता से कार्य करें।

फतेहाबाद। भीषण गर्मी में लू के थपेड़ों से अपने बच्चे को बचाती मां।

गांवों में बिजली कटौती बढ़ाएगी परेशानी

जिले में गेहूं कटाई का सीजन चरम पर है, जिसके चलते ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रखने के आदेश जारी हैं। इससे गांवों में दिन के समय गर्मी का असर और अधिक बढ़ जाएगा। बिना बिजली के पंखे और कूलर बंद रहने से लोगों को तेज गर्मी झेलनी पड़ेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि खेतों में काम कर रहे किसानों और मजदूरों पर हीट वेव का सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है। ऐसे में उन्हें पर्याप्त पानी पीने, सिर ढककर काम करने और दोपहर के समय आराम करने की सलाह दी जा रही है।

26 के बाद आंशिक बदलाव के संकेत

मौसम विभाग ने 26 अप्रैल के बाद एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आंशिक प्रभाव से मौसम में हल्के बदलाव की संभावना जताई है। इससे तापमान में कुछ गिरावट हो सकती है और आंशिक राहत मिल सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह राहत ज्यादा समय तक नहीं टिकेगी और जल्द ही गर्मी फिर से अपना असर दिखा सकती है।

मरीजों के लिए विशेष इंतजाम

सएमओ डॉ. बुधराम ने बताया कि हीट वेव की चेतावनी को देखते हुए जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह अलर्ट पर रखा गया है। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी के कारण डिहाइड्रेशन, हीट स्ट्रोक और अन्य मौसमी बीमारियों के मामलों में बढ़ोतरी हो सकती है। डॉ. बुधराम के अनुसार, अस्पतालों में भर्ती मरीजों के लिए विशेष व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। सभी स्वास्थ्य केंद्रों को निर्देश दिए गए हैं।

सलाह : सावधानी से ही बचाव संभव

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। हल्के और ढीले कपड़े पहनें, अधिक से अधिक पानी पिएं और बाहर जाते समय सिर को ढककर रखें। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। लगातार बढ़ती गर्मी के बीच प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग सतर्क है, लेकिन आम लोगों को भी सावधानी बरतनी होगी।

फतेहाबाद। हीट वेव से बचाव एवं आमजन की बैठक की अध्यक्षता करते हुए डीसी डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

सार्वजनिक स्थानों पर पियाऊ स्थापित करवाने के निर्देश

- गांवों व सार्वजनिक स्थानों पर पियाऊ और जल व्यवस्था पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

हीट वेव से बचाव एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर डीसी डॉ. विवेक भारती ने अधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि समय रहते आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं, ताकि गर्मी के प्रभाव को कम किया जा सके। डीसी ने पंचायती राज विभाग को निर्देश दिए कि गांवों में तालाबों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। इसके साथ ही ग्राम पंचायतों से समन्वय बनाकर बस स्टैंड एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पियाऊ स्थापित करवाए जाएं, ताकि लोगों को पीने के पानी की सुविधा मिल सके। शिक्षा विभाग को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि सभी स्कूलों में पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए और विद्यार्थियों को हीट वेव से बचाव के प्रति जागरूक किया जाए। वहीं, महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनवाड़ी केंद्रों पर पानी के घड़े आदि की समुचित व्यवस्था करने और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से ओआरएस पैकेट उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। बस स्टैंड पर पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

ये दिए निर्देश

डीसी ने स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त मात्रा में ओआरएस पैकेट उपलब्ध कराने और इन्हें स्कूलों व पंचायतों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। साथ ही, समय-समय पर हीट वेव से बचाव संबंधी एडवाइजरी जारी करने के लिए भी कहा। इसके अलावा, डीसी ने रेडक्रॉस सोसायटी को निर्देश दिए कि वे विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओ के माध्यम से शहर और गांवों में पानी की छबील लगाने तथा पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

बिजली निगम की लापरवाही: बिना कट हैंडल के लगाया ट्रांसफॉर्मर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

- बिजली विभाग के दफ्तर के घेराव की दी चेतावनी

क्षेत्र के गांव जोड़कियां में बिजली निगम की लापरवाही सामने आई है। यहां ट्रांसफॉर्मर बदलते समय विभाग के कर्मचारियों ने सुरक्षा के सभी नियमों को ताक पर रख दिया। नया ट्रांसफॉर्मर तो लगा दिया गया, लेकिन उसमें बिजली काटने या जोड़ने के लिए सबसे जरूरी कट हैंडल ही नहीं लगाया गया है, जिससे क्षेत्र में बड़ा हादसा होने का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि गत वर्ष पुराना ट्रांसफॉर्मर फूंक गया था। शिकायत के बाद विभाग ने नया ट्रांसफॉर्मर तो लगाया, लेकिन उसे पूरी तरह से सुरक्षित नहीं किया। ट्रांसफॉर्मर के ऊपर पैनल में कट हैंडल न होने की वजह से तार खुले पड़े हैं। यदि कोई तकनीकी खराबी आती है या तेज हवा चलती है, तो यह खुला तार जमीन पर गिर सकता है। यह ट्रांसफॉर्मर गांव की मुख्य सड़क स्थित बस स्टैंड पर लगा हुआ है जहां घनी आबादी वाले क्षेत्र और एक छोटे से पार्क/मार्ग के पास लगा है, इसलिए बच्चों के खेलने के दौरान बड़ा हादसा हो सकता है। निवासियों का आरोप है कि इस संबंध में स्थानीय जेई से शिकायत की गई, लेकिन उन्होंने अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की है। मोहल्ले वासियों ने चेतावनी दी है कि यदि 24 घंटे के भीतर कट हैंडल नहीं लगाया गया, तो वे बिजली विभाग के दफ्तर का घेराव करेंगे। निगम के जेई हरिचंद ने बताया कि यह मामला मेरे संज्ञान में आज ही आया है, हम आगे इस मामले के बारे में आगे अधिकारियों को अवगत करवा दिया जाएगा।

सिरसा। बिना कट हैंडल लगाया गया बिजली ट्रांसफार्मर।

महिला आरक्षण बिल के विरोध पर राहुल गांधी का पुतला फूंककर किया प्रदर्शन

- भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा और युवा मोर्चा ने जताया रोष

फतेहाबाद। संसद में महिला आरक्षण बिल का विरोध किए जाने के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा और युवा मोर्चा ने संयुक्त रूप से प्रदर्शन करते हुए अपना कड़ा रोष जताया। फतेहाबाद में विरोध प्रदर्शन के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला फूंका और विपक्ष की नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा की जिला उपाध्यक्ष सविता टुटेजा, महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष डॉ. सुमन बजाज और युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष बिट्टू गुर्जर ने किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए जिला उपाध्यक्ष सविता टुटेजा ने कहा कि महिला आरक्षण बिल देश की आधी आबादी को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

राहुल गांधी का पुतला फूंकती भाजपा महिला कार्यकर्ता।

शक्कर मंदोरी में चलती मशीन में लगी आग

चोपटा। क्षेत्र के गांव शक्कर मंदोरी में एक बड़ा हादसा सामने आया है, जहां एक किसान की नई मशीन में अचानक आग लग गई। जानकारी के अनुसार अशोक कुमार पुत्र रामस्वरूप हाल ही में करीब 3.5 लाख रुपये की नई मशीन लेकर आए थे। बताया जा रहा है कि अशोक कुमार गांव के ही किसान सुरेंद्र सहारण के खेत में तूड़ी बनाने का काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक चिंगारी उठी और देखते ही देखते मशीन में आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि पास खड़ी ट्राली भी उसकी चपेट में आकर जल गई। हालांकि मौके पर मौजूद लोगों की सूझबूझ से ट्रैक्टर को समय रहते वहां से हटा लिया गया, जिससे बड़ा नुकसान होने से बच गया। घटना में किसान अशोक कुमार को करीब 5 लाख रुपये का नुकसान बताया जा रहा है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल रहा। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित किसान को उचित मुआवजा देने की मांग की है।

गुमशुदगी के मामले में सनसनीखेज खुलासा

पत्नी ने ही प्रेमी के साथ की पति की हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिला पुलिस ने साधनवास गांव में डेढ़ महीने पहले लापता हुए नसीब कुमार की हत्या का रहस्य सुलझा लिया। पुलिस ने मृतक की पत्नी पूजा और उसके प्रेमी श्रवण कुमार को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने पूछताछ में हत्या की पूरी योजना स्वीकार की।पुलिस के अनुसार, नसीब कुमार शराब के नशे में अपनी पत्नी से मारपीट करता था और मारपीट की वीडियो सोशल मीडिया पर डालने की धमकी देता था। इसी कारण पत्नी और उसके प्रेमी ने हत्या की योजना बनाई। आरोपियों ने बताया कि उन्होंने नसीब कुमार की गला दबाकर हत्या की और शव को भारी पत्थरों से बांधकर भाखड़ा नहर में फेंक दिया, ताकि शव पानी के भीतर डूबा रहे और कोई सुराग न मिले।टोहाना डीएसपी जयभगवान ने बताया कि रघुनाथ कुमार ने 5 मार्च को शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसका भाई 2 मार्च से लापता है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 127(6) के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्य और कॉल डिटेल्स की जांच में शक पत्नी और उसके साथी पर टिक गया। कड़ी पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों ने हत्या की योजना और उसे अंजाम देने की बात कबूल की।पुलिस ने हत्या और साक्ष्य मिटाने के तहत आरोपियों के खिलाफ अतिरिक्त धाराएँ जोड़ दी हैं। शव अभी तक बरामद नहीं हुआ। जांच जारी है।

फतेहाबाद। गिरफ्तार महिला व उसका साथी।

पुलिस का नशे पर प्रहार

13.52 ग्राम हेरोइन के साथ दो सगे भाई काबू, हिसार से जुड़े हैं तार

- गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई

फतेहाबाद। सीआईए फतेहाबाद पुलिस ने हिसार निवासी दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 13.52 ग्राम हेरोइन बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान सन्नी उर्फ कबाड़ी और उसके भाई अभिषेक पुठिया निवासी बाल्मीकि मोहल्ला, हिसार के रूप में हुई है। सीआईए प्रभारी उप-निरीक्षक वेदपाल ने बताया कि पुलिस टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि एक युवक पपीहा पार्क के आसपास नशेड़ी लडक़ों को हेरोइन बेचने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने मॉडल टाउन स्थित सीनियर सेकेंडरी मॉडल स्कूल के पास नाकाबंदी की और हुलिए के आधार पर सन्नी उर्फ कबाड़ी को काबू किया। जब नियमानुसार उसकी तलाशी ली गई, तो उसकी जेब से 13.52 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक पूछताछ में सन्नी ने चौंकाने वाला खुलासा किया कि उसे यह नशा उसका भाई अभिषेक पुठिया सप्लाई करता है।

बस स्टैंड से बरनाला रोड पर कार्रवाई

पुलिस ने आधा किलो अफीम सहित तस्कर किया गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने एक नशा तस्कर को आधा किलोग्राम अफीम सहित गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार पकड़ी गई अफीम की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपये है। एबीवीटी सिरसा पुलिस टीम प्रभारी ने बुधवार को बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान नानक सिंह के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान बस स्टैंड से बरनाला रोड होते हुए भूमणशाह चौक की तरफ जा रही थी। इसी दौरान पुलिस बाल भवन के नजदीक सामने से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया जो कि पुलिस को देखकर वापस मुडक़र भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर युवक को काबू कर तलाशी ली तो उसके कब्जे से आधा किलोग्राम अफीम बरामद हुई । उन्होंने बताया कि गरफ्तार किए गए आरोपी के खिलाफ सिविल लाइन थाना में मादक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इसके अलावा पुलिस ने डेयरी से गाय चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शहर थाना प्रभारी ने बताया कि राजेश कुमार के पुलिस को दी शिकायत के आधार पर कार्रवाई की गई।

पकड़ा गया अफीम तस्कर।

तापमान बढ़ने से आवक जोर पकड़ रही, 1 लाख से अधिक किसानों के जारी किए गेट पास

69 लाख क्विंटल में से 50 लाख क्विंटल गेहूं अभी भी मंडियों में, 27 फीसदी का ही उठान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद में गेहूं कटाई के बाद गेहूं का खरीद कार्य अंतिम चरण में है। हालांकि जैसे-जैसे तापमान बढ़ रहा है, वैसे ही मंडियों में आवक जोर पकड़ रही है। हालात यह है कि इस समय जिले की मंडियों में करीब 50 लाख क्विंटल गेहूं उठान के इंतजार में है। दरअसल बुधवार तक फतेहाबाद जिले की 7 मंडियों और 44 खरीद केंद्रों पर 69 लाख 13 हजार 163 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। इसमें से सरकारी खरीद एजेंसियों द्वारा अब तक 51 लाख 63 हजार 743 क्विंटल गेहूं की खरीद एमएसपी पर की जा चुकी है लेकिन हैरत की बात यह है कि इसमें से उठान मात्र 18 लाख 74 हजार 594 क्विंटल का ही हुआ है। यानि कि इस समय तक 50 लाख 38 हजार 569 क्विंटल गेहूं मंडियों में पड़ा है। इसका मतलब है कि ज्यादा गेहूं मंडियों में आया हुआ है, उसमें से मात्र 27 फीसदी की ही लिफ्टिंग हो पाई है। 73 प्रतिशत गेहूं मंडियों में ही पड़ा है। जिले में बुधवार तक 1 लाख 1 हजार 395 किसानों के गेट पास जारी किए जा चुके हैं। कुल 69 लाख 13 हजार 163 क्विंटल गेहूं मंडियों में पहुंच चुका है।

फतेहाबाद। अनाज मण्डी में पड़ी गेहूं की बोरियां।

इन मंडियों में गेहूं की आवक

मंडी	गेहूं की आवक	गेहूं खरीद	उठान
फतेहाबाद	1494369	1170961	405729
भट्टू	627161	443443	196015
भूना	1319284	757166	191011
रतिया	1715257	1357369	547116
टोहाना	869151	702487	269496
जाखल	394929	373598	172765
धारसूल	493012	358719	92462
कुल	69113163	979833	1874594

(आंकड़े क्विंटल में)

सिरसा की मंडियों में 6.58 लाख एमटी से अधिक की आवक

सिरसा। जिला की विभिन्न मंडियों में खरीद एजेंसियों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीद प्रक्रिया जारी है। गत दिवस तक जिला के 73 हजार 321 किसानों की छह लाख 58 हजार 453 मीट्रिक टन (एमटी) गेहूं की खरीद की जा चुकी है जिसमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 47271 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 499762 मीट्रिक टन तथा एचएसडब्ल्यूसी 111420 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक हरवीर सिंह ने बताया कि अबूबशहर मंडी में 19313 मीट्रिक टन, बड़ागुढा मंडी में 17,300 मीट्रिक टन, डबवाली मंडी में 35,603 मीट्रिक टन, डिंग मंडी में 18,269 मीट्रिक टन, ऐलनाबाद मंडी में 39,992 मीट्रिक टन, गंगा मंडी में 11,147 मीट्रिक टन, जीवन नगर मंडी में 18409 मीट्रिक टन, कालांवाली मंडी में 52913 मीट्रिक टन की आवक हुई।

शरीर के भीतर कोई बीमारी पनप रही है, इसकी जांच के लिए अलग-अलग टेस्ट तो किए ही जाते हैं। लेकिन अगर ध्यान दें तो आंखों से भी कई तरह के हेल्थ इंडिकेशंस मिल सकते हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

आंखें देती हैं हेल्थ इंडिकेशंस

एलर्टनेस
डॉ. मधुस्मिता बेहेरा
नेत्र रोग विशेषज्ञ

हमारी आंखें, शारीरिक स्वास्थ्य की खिड़की जैसी होती हैं। इसलिए सेहत पर नजर रखने के लिए समय-समय पर नेत्र रोग विशेषज्ञ को जरूर दिखाते रहें। आंखों के पिछले हिस्से यानी रेटिना से चिकित्सक को आपकी नर्व्स और ब्लड वेसल्स का हाल पता चल जाता है। इनका बारीकी से मुआयना करने पर कई खतरनाक रोगों का शुरुआती चरण में ही पता चल जाता है, जिससे समय पर इलाज शुरू करवा कर जटिलताओं से बचा जा सकता है।

ब्रेन हेल्थ: आंखों की पुतली और ऑप्टिक नर्व सीधे मस्तिष्क से जुड़ी होती हैं, जिससे ट्यूमर या अल्जाइमर जैसी स्थितियों का संकेत मिल सकता है। आंखों के पीछे रेटिना में वसा और कैल्शियम के छोटे जमाव अल्जाइमर रोग का संकेत हो सकते हैं। शोध के अनुसार, दृष्टि में बदलाव डिमेंशिया के निदान से कई साल पहले आ सकते हैं।

ब्रेन ट्यूमर: आंखों की जांच के दौरान ऑप्टिक नर्व (दृष्टि तंत्रिका) में सूजन या दबाव का पता चल सकता है, जो मस्तिष्क में ट्यूमर का संकेत हो सकता है।

हृदय रोग: पलकों के आस-पास वसा जमा होना या रक्त वाहिकाओं की स्थिति हृदय संबंधी जोखिमों को दर्शा सकती है। फ्लोरिडा (अमेरिका) की नोवा साउथ ईस्टर्न यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ ऑप्टोमेट्री आई केयर इंस्टीट्यूट के एसोसिएट प्रोफेसर और नेत्र रोग विशेषज्ञ जोसेफ पिजिमेंटी कहते हैं कि हम आंखों के चेकअप से ब्रेन ट्यूमर और ब्रेस्ट कैंसर से लेकर लंग्स कैंसर तक का पता लगा सकते हैं जिनका प्रभाव आंखों तक पहुंच जाता है। नेत्र रोग विशेषज्ञ मरीज की दृष्टि में आए परिवर्तन की जांच करके ब्रेन ट्यूमर का पता लगा सकते हैं।

डायबिटीज: टाइप 2 डायबिटीज के शुरुआती संकेतों में से एक है रेटीना में मामूली मात्रा में ब्लीडिंग होना, जो डायबिटिक रेटीनोपैथी का लक्षण है। इसका समय पर इलाज शुरू न किया जाए, तो मरीज अपनी दृष्टि पूरी तरह खो सकता है। डायबिटिक रेटिनोपैथी का शुरुआती चरण में पता चल जाए तो जीवनशैली में बदलाव लाकर, पौष्टिक भोजन के माध्यम से और वजन घटाकर दृष्टिहीनता के खतरे को कम किया जा सकता है।

उच्च रक्तचाप: न्यूयॉर्क (अमेरिका) की विल कोर्नेल मेडिकल कॉलेज में ऑफ्थेल्मोलॉजी की प्रोफेसर जेसिका सिराल्सकी कहती हैं, ब्लड वेसल्स को पहुंची क्षति, धमनियों में सिकुड़न और उनका कमजोर होना आदि उच्च रक्तचाप की निशानी हो सकते हैं। अमेरिकन जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक रेटीना की छोटी ब्लड वेसल्स का संकरा होना हार्ट डिजीज का संकेतक हो सकता है।

मल्टीपल स्क्लेरोसिस: अमेरिकन ऑप्टोमेट्रिक एसोसिएशन के अध्यक्ष मिटशेल मुनसोन बताते हैं कि ऑप्टिक नर्व का इनफ्लेमेशन यानी ऑप्टिक न्यूराइटिस, मल्टीपल स्क्लेरोसिस का शुरुआती लक्षण हो सकता है। मल्टीपल स्क्लेरोसिस के 75 फीसदी मरीजों में ऑप्टिक न्यूराइटिस होता है। लेकिन ऑप्टिक न्यूराइटिस का मतलब यह जरूरी नहीं कि मरीज को एमएस डिजीज भी हों, यह किसी अन्य कारण से भी हो सकता है।

रूमेटाइड आर्थराइटिस: विशेषज्ञ बताते हैं कि रूमेटाइड आर्थराइटिस के 25 फीसदी मरीजों में आंखों की समस्या भी पाई जाती है। जिनमें ड्राई आइज की समस्या सबसे आम है। अगर किसी मरीज की आइरिस में साल में दो बार दर्द और इन्फ्लेमेशन की शिकायत हो, तो उसमें रूमेटाइड आर्थराइटिस की संभावना होती है।

कहने का सार है कि आपको अपनी आंखों की रेग्युलर जांच करानी चाहिए। *

प्रस्तुति: अंजू जैन

हेल्थ सजेशन
शिखर चंद जैन

स्वस्थ, ऊर्जावान और दीर्घायु जीवन की कामना लगभग सभी लोग करते हैं। लेकिन इसके लिए अपनी जीवनशैली में किन बातों को अमल में लाना जरूरी होता है, इस बारे में कम लोग ही जानते हैं। विभिन्न अध्ययनों पर आधारित हम यहां दस ऐसे कारगर सूत्रों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप लंबे समय तक स्वस्थ, ऊर्जावान जीवन जी सकते हैं।

स्वस्थ जीवन के लिए अपनाएं 10 सरल-कारगर सूत्र

सभी हेल्थ एक्सपर्ट्स का यह मानना है कि स्वस्थ-निरोगी तन और दीर्घायु जीवन रातों-रात प्राप्त नहीं किया जा सकता है। बल्कि यह हमारे रोजमर्रा की जीवनशैली में शामिल छोटी-छोटी अच्छी आदतों का परिणाम होता है। आपकी जीवनशैली और अच्छे स्वास्थ्य के बीच सीधा संबंध होता है। आधुनिक विज्ञान यह साबित कर चुका है कि हमारी दैनिक आदतें हमारे जीन से भी ज्यादा प्रभावशाली हो सकती हैं। वैज्ञानिक शोधों के आधार पर यहां 10 ऐसी हैबिट्स के बारे में बता रहे हैं, जो आपका अच्छा स्वास्थ्य तय करते हैं। यानी इन सूत्रों पर अमल करके आप स्वस्थ और ऊर्जावान बने रह सकते हैं।

प्लांट-बेस्ड डाइट को अपनाएं

दुनिया में मौजूद 'ब्लू जोन' (जहां रहने वाले लोग सबसे ज्यादा जीते हैं) पर किए गए अध्ययनों से पता चला है कि फल, सब्जियां और साबुत अनाज आधारित भोजन, कैंसर और हृदय रोगों को दूर रखता है। इसके लिए आपके भोजन की थाली का आधा हिस्सा फलों और सब्जियों से भरा होना चाहिए। साबुत अनाज (ओट्स, ब्राउन राइस) और बींस (दालें, मटर, लोबिया) को भी अपने आहार में शामिल करना लाभकारी होता है। पशु उत्पादों (मांस, डेयरी) को अपने आहार में कम शामिल करें, पूरी तरह बंद करना अनिवार्य नहीं है। प्रोसेस्ड फूड के सेवन से बचें और साबुत खाद्य पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें।

सर्केडियन रिदम रखें सही

सर्केडियन रिदम यानी शरीर की आंतरिक 24 घंटे एक्टिव रहने वाली घड़ी। यही हमारे सोने-जागने, हार्मोन स्तर, मेटाबॉलिज्म और तापमान को नियंत्रित करके स्वास्थ्य को बनाए रखती है। यह रात में मेलाटोनिन जारी कर अच्छी नींद, दिन में ऊर्जा और शरीर को रिपेयर करने में मदद करती है, जिससे तनाव कम होता है और शुगर/बी.पी. जैसी बीमारियों का जोखिम घटता है। शोध बताते हैं कि शरीर की आंतरिक घड़ी के अनुसार जागना और सोना मेटाबॉलिज्म को ठीक रखता है। समय पर सोने से हृदय रोग और डायबिटीज का खतरा कम होता है।

तनाव प्रबंधन है बहुत जरूरी

अच्छे जीवन के लिए तनाव प्रबंधन भी जरूरी है। तनाव प्रबंधन, शरीर में कोर्टिसोल के स्तर को कम करके, रक्तचाप को नियंत्रित रखकर और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को दुरुस्त रखता है। नियमित व्यायाम, पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद और योग/ध्यान के माध्यम से तनाव प्रबंधन किया जा सकता है। यह अनिद्रा और थकान को दूर करता है, जिससे हृदय रोग और पुरानी बीमारियों का जोखिम कम होता है। लंबे समय तक तनाव रहने से 'कार्टिसोल' हार्मोन का स्तर बढ़ता है। रिसर्च कहती है कि ध्यान और योग क्रॉनिक इंफ्लेमेशन को कम करते हैं।

अच्छी हो नींद की गुणवत्ता

'नेशनल स्लीप फाउंडेशन' के अनुसार, डेली 7-9 घंटे की गहरी नींद मस्तिष्क से विषाक्त पदार्थों को साफ करती है, जिससे अल्जाइमर जैसी बीमारियों का खतरा कम होता है। अच्छी नींद की गुणवत्ता शारीरिक मरम्मत, मानसिक स्पष्टता और भावनात्मक संतुलन के लिए अनिवार्य है। यह इम्यून सिस्टम को मजबूत करती है, तनाव वाले हार्मोन के स्तर को कम करती है, याददाश्त बढ़ाती है और वजन प्रबंधन में मदद करती है। बिना रुकावट वाली गहरी नींद, आपको ऊर्जावान बनाए रखने और पुरानी बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए भी जरूरी है।

सक्रिय जीवनशैली को अपनाएं

अच्छी हेल्थ के लिए सक्रिय जीवनशैली भी बहुत मायने रखती है। 'हार्वर्ड हेल्थ' (हार्वर्ड मेडिकल स्कूल) के अनुसार, रोजाना 30 मिनट की वॉकिंग दीर्घायु होने में सहायक हो सकती है। व्यायाम न केवल वजन घटाता है, बल्कि एंडोर्फिन नामक हार्मोन जारी करता है, जो मानसिक स्वास्थ्य सुधारता है। सक्रिय जीवनशैली, हृदय के स्वास्थ्य, वजन नियंत्रण और मानसिक मजबूती बढ़ाकर शरीर को स्वस्थ रखती है। यह हृदय रोगों, मधुमेह और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के खतरे को कम करती है। इसके साथ ही मांसपेशियों/ हड्डियों को मजबूत बनाकर जीवन प्रत्याशा में वृद्धि भी करती है।

स्क्रीन टाइम ना हो अनलिमिटेड

अत्यधिक मोबाइल का उपयोग मानसिक थकान और आंखों की समस्याओं की वजह बन सकता है। कई शोध बताते हैं कि आज के समय में डिजिटल डिटॉक्स जरूरी हो गया है। स्क्रीन एडिक्शन के बजाय नेचर के करीब समय बिताने से ब्लड प्रेशर तुरंत कम होता है। स्क्रीन का कम उपयोग दिमाग को शांत करता है, जिससे किसी काम में ध्यान (फोकस) बेहतर होता है। आंखों की सुरक्षा के लिए हर 20 मिनट के बाद 20 सेकेंड के लिए 20 फीट दूर देखने (20-20-20 नियम) से आंखों का सूखापन और तनाव कम होता है। स्क्रीन-मुक्त समय में टहलने, योग करने या हॉबी अपनाने से शारीरिक गतिविधि बढ़ती है और मोटापा कम होता है। भोजन के समय या बेडरूम में फोन का उपयोग न करने से परिवार और दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताने का अवसर मिलता है, इससे आपको खुशी मिलती है।

सामाजिक जुड़ाव है बहुत जरूरी

'हार्वर्ड स्टडी ऑफ एडल्ट डेवलपमेंट' (करीब 80 साल तक चली स्टडी) में पाया गया कि अच्छे रिश्ते हमें खुश और स्वस्थ रखते हैं। अकेलापन, धूम्रपान जितना ही हानिकारक होता है। सामाजिक जुड़ाव मानसिक तनाव, अवसाद और चिंता को कम करके, दीर्घकालिक बीमारियों का जोखिम घटाकर और स्वस्थ व्यवहारों (जैसे व्यायाम, अच्छी नींद) को बढ़ावा देकर स्वास्थ्य में सुधार करता है। परिवार और दोस्तों के साथ मजबूत रिश्ते सकारात्मक भावनाएं, जीवन में उद्देश्य प्रदान करते हैं, जिससे मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है।

हाइड्रेशन लेवल ना हो कम

अच्छे स्वास्थ्य के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी आवश्यक होता है। ऐसा करना गुर्दे यानी किडनी की कार्यक्षमता और ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है। शोध बताते हैं कि सही मात्रा में हाइड्रेशन, त्वचा और पाचन के लिए भी अनिवार्य है। यह शारीरिक तापमान को नियंत्रित करता है, जोड़ों को चिकनाई प्रदान करता है, पोषक तत्वों का परिवहन करता है, ऊर्जा स्तर बनाए रखता है और पाचन में मदद करता है। रोजाना पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से किडनी स्वस्थ रहती है और विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते रहते हैं।

गट हेल्थ हो सही

अच्छी हेल्थ और गट हेल्थ के रिलेशन पर किया गया हालिया रिसर्च, 'गट-ब्रेन एक्सिस' पर जोर देता है। प्रो-बायोटिक्स और फाइबर युक्त भोजन हमारे इम्यून सिस्टम को 70-80 प्रतिशत तक नियंत्रित करते हैं। इसलिए गट हेल्थ पर ध्यान दिया जाना जरूरी है।

नशीले पदार्थों से रहें दूर

प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' की रिपोर्ट के अनुसार, शराब, तंबाकू या किसी भी अन्य नशीले पदार्थ का सेवन किसी भी स्तर पर सुरक्षित नहीं है। यह सीधे तौर पर डीएनए को नुकसान पहुंचाते हैं, जो आगे चलकर गंभीर बीमारियों की वजह बन सकता है। इसलिए स्वस्थ और दीर्घायु जीवन के लिए किसी भी नशीले पदार्थ का किसी भी रूप में सेवन हानिकारक हो सकता है। यहां बताई गई बातों को अपनी जीवनशैली में अपनाकर निश्चित ही आप स्वस्थ और दीर्घायु जीवन जी सकते हैं। *

डिजीज
डॉ. अनुराग अग्रवाल
क्लिनिकल डायरेक्टर
ऑर्थोपेडिक्स, ज्वॉइंट रिप्लेसमेंट
मैरिंगो एशिया हॉस्पिटल्स, फरीदाबाद

लगभग एक हजार बच्चों में से एक को हिप ज्वाइंट से जुड़ा डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया रोग होता है। इसमें बच्चे की मूवमेंट प्रभावित हो सकती है। समय पर ट्रीटमेंट न कराने पर प्रॉब्लम बढ़ सकती है। इस बारे में डिटेल में जानिए।

डेवलपमेंटल डिसप्लेसिया ऑफ हिप बच्चे के मूवमेंट को करता है प्रभावित

हाल ही में फिल्म एक्टर वरुण धवन की 2 साल की बेटी के एक फिजिकल प्रॉब्लम से उबरने की खबर सामने आई। उनकी बेटी डेवलपमेंटल डिस्प्लेसिया ऑफ हिप (डीडीएच) नामक विकार से जूझ रही थी, जो अब उपचार के बाद ठीक है।

क्या है यह रोग: डेवलपमेंटल डिस्प्लेसिया ऑफ हिप, बच्चों के हिप सॉकेट या कूल्हे के जोड़ में होने वाली विकृति है। इसे हिप डिस्प्लेसिया भी कहा जाता है। जोड़ शरीर का वह हिस्सा होता है, जहां दो हड्डियां आपस में मिलती हैं। हिप का जोड़ जांघ की हड्डी (फीमर) और पेल्विस के बीच का जुड़ाव बिंदु होता है। डीडीएच में हिप का जोड़ नॉर्मल स्वस्थ जोड़े की तरह विकसित नहीं हो पाता और काफी उथला या ढीला हो जाता है। फीमोरल हेड बॉल (फीमर का ऊपरी भाग) पेल्विस में मौजूद हिप सॉकेट (एसीटैबुलम) में सही तरीके से फिट नहीं हो पाता और बाहर निकलने लगता है। जिसकी वजह से मरीज का हिप-लक्सेशन शुरू हो जाता है यानी हिप अपनी जगह से खिसक जाती है। जांघ के अंदरूनी हिस्से-ग्रोइन में सामान्य से ज्यादा गहरे स्किन-फोल्ड या क्रीज बन जाती हैं। पैर के बाहर की तरफ खोलने का मूवमेंट रुक जाता है। जिस पैर में यह दिक्कत होती है, वो पैर थोड़ा छोटा हो सकता है। बच्चे को हिप में अकड़न-सी महसूस होती है, मूवमेंट करने पर हिप के अंदर चटकने या क्लिक की आवाज आती है।

क्या होता है असर: डीडीएच डेवलपमेंटल डिसऑर्डर है, जो बचपन में ही हो जाता है। ध्यान न देने पर धीरे-धीरे समस्या बढ़ती जाती है। बच्चे को क्रॉनिक दर्द रहता है। उसके हिप के मूवमेंट बहुत कम हो जाते हैं। पैर छोटे-बड़े हो जाने पर बच्चे को चलने-फिरने में दिक्कत आती है। नजरअंदाज करने पर बड़े होने पर बच्चे को हिप ऑस्टिओअर्थराइटिस हो सकता है। यानी हिप खराब होने और चाल में स्थाई रूप से लंगड़ापन आने की संभावना रहती है। जबकि सही ढंग से उपचार होने पर बच्चा सामान्य जीवन जी सकता है।

समस्या के कारण: इस समस्या के कई कारण हो सकते हैं।

- आनुवांशिक, जेनेटिक फैक्टर्स की वजह से होता है।
- ब्रीच पाश्जीशन/उल्टे पैदा हुए बच्चे जो जन्म के समय सिर के बजाय हिप्स के माध्यम से पैदा होते हैं।
- प्री-मैच्योर पैदा हुए बच्चे।
- पैरेंट्स की गलत आदतें जैसे बच्चे को उठाते या सुलाते समय बच्चे के पैर सीधे करके हिप्स को चादर, टावल या कंबल से कसकर बांधना।

किन्हें है खतरा: लड़कियों में लड़कों की अपेक्षा 80 प्रतिशत मामले ज्यादा होते हैं। पहली संतान को ज्यादा खतरा रहता है।

न करें नजरअंदाज: पैरेंट्स को इसके कोई भी लक्षण नजर आएं, तो डॉक्टर से कंसल्ट कर उपचार कराना चाहिए। बच्चे का पैरों की लंबाई या जांघों के आस-पास ग्रोइन एरिया के स्किन-फोल्ड असमान दिखाई दें, हिप के आस-पास हाथ लगाने पर कोई आवाज सुनाई दे या हिप के मूवमेंट प्रॉपर न हों या मूवमेंट सामान्य से कुछ कम लगे।

कैसे होता है डायग्नोज: डीडीएच को कंफर्म करने के लिए डॉक्टर बच्चे का हिप एब्डेक्शन टेस्ट या बार्लोस-मैनुअल टेस्ट करते हैं। साथ ही हिप फीमर की स्थिति की जांच के लिए 4-6 महीने के बच्चे का अल्ट्रासाउंड और बड़े बच्चे का एक्स-रे टेस्ट भी कराया जाता है।

क्या है उपचार: इस रोग का उपचार बच्चे की उम्र और समस्या की गंभीरता पर निर्भर करता है। 6 महीने से छोटे बच्चे का हिप हाथ लगाने पर अगर अंदर की तरफ रिड्यूस हो रहा है, तो बच्चे को पेल्विक हार्नेस ब्रेस लगाया जाता है। जो बच्चे के हिप्स को बाहर की तरफ फैलाकर और घुटनों को मोड़कर रखता है। हिप पर प्रेशर पड़ने से धीरे-धीरे रिड्यूस होकर स्टेबल हो जाता है। पेल्विस में एसीटैबुलम सॉकेट सही पोजीशन में आ जाता है, जिसमें फीमर हेड आसानी से फिट हो जाता है। शुरू में ब्रेस पूरे टाइम के लिए लगाया जाता है, कुछ टाइम बाद सिर्फ रात को लगाने के लिए कहा जाता है। अगर बच्चा 6 महीने से बड़ा है और हिप सही पोजीशन में नहीं जा पा रहा हो तो ऐसी स्थिति में हिप-रिडक्शन सर्जरी की जाती है और कुछ समय के लिए हिप स्पाइका कास्ट प्लास्टर लगाया जाता है। इस तरह की सर्जरी से पहले हिप को रिड्यूस करके सही पोजीशन में लाया जाता है। कुछ समय बाद यह फिट हो जाता है।

रखें ध्यान: बच्चे को डीडीएच की समस्या से बचाने के लिए पैरेंट्स को यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

- पैदा होने पर बच्चे के हिप्स को बहुत ज्यादा कसकर नहीं बांधें, ताकि बच्चा अपने घुटने को किक करने वाले मूवमेंट को आराम से कर सके।
- बच्चे के पैरों को लंबे समय तक जबरदस्ती सीधे करके नहीं रखें। हिप और घुटने का मूवमेंट होते रहना बहुत जरूरी है।
- बच्चे को उठाते समय ध्यान रखें कि बच्चा फ्रॉग और एम पोजीशन में रहे ताकि बच्चे का हिप्स और हिप सॉकेट एसीटैबुलम ठीक पोजीशन में हो।
- बच्चे को सीट पर बिठाते समय ध्यान रखें कि उसके घुटने-हिप्स के ऊपर हों।
- बच्चों के चलने-फिरने और फिजिकल ग्रोथ पर नजर रखें। किसी भी तरह की असामान्यता नजर आने पर यथाशीघ्र मेडिकल सलाह लें। *

प्रस्तुति: रजनी अरोड़ा

अवेयरनेस
डॉ. माजिद अलीम

हालांकि अब देश में मलेरिया के मामले कम ही आते हैं। लेकिन अभी इसका पूरी तरह उन्मूलन नहीं हो सका है। **25 अप्रैल, विश्व मलेरिया दिवस** के मौके पर जानिए, मलेरिया उन्मूलन में क्या समस्याएं हैं और इसमें हम कैसे सहयोग दे सकते हैं।

जब सभी लोग करेंगे प्रयास तभी मिलेगी मलेरिया से मुक्ति

हर साल 25 अप्रैल को मनाया जाने वाला विश्व मलेरिया दिवस, केवल एक औपचारिक तारीख भर नहीं है बल्कि संकल्प का प्रतीक है। बीते एक दशक से हमारे देश ने इस दिशा में काफी प्रगति की है। यह प्रगति आशा जगाती है कि वह दिन अब दूर नहीं है, जब भारत मलेरिया मुक्त देश बनेगा।

कम हो रहे मलेरिया के मामले: विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भारत में मलेरिया के मामलों और मौतों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। साल 2015 के बाद से मलेरिया के मामलों और मलेरिया से होने वाली मृत्यु दर में 70 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट हासिल की है और यह उपलब्धि राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम और राज्यों के संबंधित प्रयास से हासिल हुई है।

बनी हुई है चुनौती: इस उपलब्धि के बावजूद देश के कई राज्यों मसलन ओडिशा, छत्तीसगढ़, झारखंड और पूर्वोत्तर राज्यों में विशेषकर इनके आदिवासी क्षेत्रों में आज भी मलेरिया एक बड़ी चुनौती बना हुआ है, जिसका बड़ा कारण इन इलाकों की भौगोलिक कठिनाइयां, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और जागरूकता का अभाव है। फिर भी धीरे-धीरे हम अपने मलेरिया मुक्त लक्ष्य की तरफ बढ़ रहे हैं। भारत सरकार ने साल 2030 तक मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य रखा है। यही वजह है कि पिछले कुछ सालों से सरकार एक साथ कई मोर्चों पर काम कर रही है।

रोग के कारण-लक्षण: मलेरिया एक परजीवी रोग है, जो प्लास्मोडियम नामक परजीवी के कारण होता है और यह संक्रमित मादा एनाफिलीज मच्छर के काटने से फैलता है। मलेरिया के प्रमुख लक्षणों में है- तेज बुखार और ठंड लगना, सिर दर्द और उल्टी, शरीर में दर्द या कमजोरी, गंभीर मामलों में बेहोशी और यदि समय पर इलाज न मिले तो मलेरिया जानलेवा भी हो सकता है। खासकर बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए।

उन्मूलन के प्रयास हैं जारी: साल 2030 तक हम मलेरिया मुक्त हो सकें, इसके लिए सरकार कई स्तरों पर प्रयास कर रही है। जैसे- मच्छरों के प्रजनन स्थलों को, विशेषकर इसके सीजन में, खत्म करने का अभियान चलया जाता है, जिसके लिए रुके हुए पानी में कीटनाशकों का छिड़काव किया जाता है और लोगों को मच्छरदानी के अंदर सोने के लिए आगाह किया जाता है। डिजिटल निगरानी, ड्रोन के माध्यम से कीटनाशकों का छिड़काव और डेटा आधारित रणनीति तैयार की जाती है, जिससे मलेरिया के रोकथाम में स्थाई कमी आए, यह लक्ष्य होता है। स्कूलों, पंचायतों और मीडिया के माध्यम से लोगों को मलेरिया के संबंध में जागरूक किया जाता है कि समय रहते मलेरिया से कैसे बचा जा सके? मलेरिया का उन्मूलन तभी संभव होगा, जब सरकार के साथ-साथ आम जनता भी इस मामले में संवेदनशील होगी और सिर्फ सरकार के भरोसे हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठेगी बल्कि अपने हिस्से की भी जरूरी सावधानियां बरतेगी, तभी मलेरिया जैसी खतरनाक बीमारी से पूरी तरह से मुक्ति संभव है। *

मलेरिया से बचने के उपाय

- घर की खिड़कियों पर जाली लगवाएं।
- जिस मौसम में मच्छरों का प्रकोप होता है, कोशिश करें पूरी बांह के कपड़ें पहनें।
- घर के आसपास पानी न जमा होने दें।
- कूलर, टंकी और गमलों को नियमित रूप से साफ करते रहें।
- मच्छर भगाने वाले क्रीम/कॉयल आदि का इस्तेमाल करें।
- फीवर होने पर तुरंत ब्लड टेस्ट कराएं।
- डॉक्टर की सलाह के बिना कोई दवा न लें और घर के बुजुर्गों व बच्चों का विशेष रूप से ध्यान रखें।

खबर संक्षेप

आंगनबाड़ी केंद्र पर 'गोद भराई' कार्यक्रम

भूना। महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय भूना के अंतर्गत ढाणी गोपाल स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पर गर्भवती महिलाओं के लिए 'गोद भराई' रस्म का विशेष आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुपरवाइजर मंगलेश नेहरा की देखरेख में हुआ, जिसमें ढाणी गोपाल की गर्भवती महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सुपरवाइजर मंगलेश नेहरा ने बताया कि इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को पोषण, नियमित स्वास्थ्य जांच और सुरक्षित प्रसव के प्रति जागरूक करना है।

चेक बाउंस मामले में दो वांछित भगोड़े गिरफ्तार

सिरसा। पुलिस ने चेक बाउंस मामले में दो वांछित भगोड़े आरोपियों को गिरफ्तार किया है। सिविल लाइन प्रभारी ने बताया कि अदालत द्वारा आरोपियों को बार-बार नोटिस देने पर भी आरोपी अदालत में हाजिर नही आया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनो आरोपियों के खिलाफ थाना सिविल लाइन सिरसा में बीएनएस की धारा 209 के तहत मामला दर्ज कर जांच सिविल लाइन थाना को सौंपी गई थी।

अवैध शराब सहित दो गिरफ्तार

सिरसा। थाना शहर सिरसा की पुलिस टीमों ने अगल-अलग जगहों से दो व्यक्तियों को 28 बोतल अवैध शराब सहित गिरफ्तार किया। शहर थाना सिरसा प्रभारी ने बताया कि जे.जे कॉलोनी पुलिस चौकी की एक पुलिस टीम गश्त के दौरान रानियां रोड सिरसा की तरफ जा रही थी। इस दौरान सामने से एक व्यक्ति अपने हाथ में प्लास्टिक का थैला लिए आता हुआ दिखाई दिया। उक्त व्यक्ति ने सामने पुलिस की गाड़ी को देखकर अचानक वापस मुडक़र भागने का प्रयास किया तो पुलिस पार्टी ने शक के आधार पर आरोपी प्रमजीत सिंह को काबू कर नियमानुसार तलाशी ली।

एनसीसी जूनियर विंग में 21 कैडेट्स का चयन

सिरसा। शाह सतनाम जी गर्ल्स स्कूल में एनसीसी जूनियर विंग एनरोलमेंट-2026 के लिए सिलेक्शन प्रोसेस आयोजित किया गया। यह चयन प्रक्रिया तीसरी हरियाणा गर्ल्स बटालियन एनसीसी, हिसार के एचएवी रवि शंकर कुमार व एएनओ सुमित्रा देवी के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। सिलेक्शन के दौरान छात्राओं की ओवरऑल फिटनेस और क्षमता का आकलन करने के लिए रिटन एग्जाम, फिजिकल रेस और मेडिकल चेकअप कराया गया। इस प्रक्रिया में 65 छात्राओं ने उत्साह के साथ भाग लिया, जिनमें से 21 छात्राओं का चयन किया गया।

जेईई मेन में निर्भव ने पाया 2042वां स्थान

सिरसा। सिरसा के विद्यार्थियों ने जेईई मेन 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए एक बार फिर शैक्षणिक श्रेष्ठता का परिचय दिया है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा घोषित परिणामों में विद्यार्थी निर्भव सिंह ने ऑल इंडिया रैंक 2042 प्राप्त कर शाखा में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। उनके साथ गौरी गुप्ता ने 7953 रैंक अर्जित कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अभय पारेख ने 16210, करण सेतिया ने 17243 और अविजोत सिंह ने 21526 प्राप्त किए।

पेट्रोल पंप धोखाधड़ी का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। फतेहाबाद पुलिस ने पेट्रोल पंप पर तेल डलवाकर धोखाधड़ी करने के मामले में दूसरे युवक को गिरफ्तार किया है। थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और गहन जांच के आधार पर आरोपी राहुल उर्फ भोला पुत्र दीवान सिंह निवासी नाढोडी, जिला फतेहाबाद को काबू किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि यह कार्रवाई हांसपुर रोड, दौलतपुर स्थित बलराज सिहाग प्योर फ्यूल पेट्रोल पंप के मालिक मनोज कुमार की शिकायत पर की गई है। शिकायत के अनुसार, 31 मार्च की सुबह करीब 11:25 बजे एक सफेद रंग की कार पेट्रोल पंप पर आई थी।

दमकल कर्मियों का आंदोलन 26 अप्रैल तक बढ़ा

22 सूत्रीय मांगों पर सहमति नहीं मिलने तक नहीं लौटेंगे कर्मचारी

कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने सरकार को घेरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। दमकल कर्मचारियों के धरने को समर्थन देते कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद शर्मा।

सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में और अपनी मांगों को लेकर अग्निशमन कर्मचारियों की हड़ताल बुधवार को 15वें दिन में प्रवेश कर गई है। कर्मचारियों ने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी 22 सूत्रीय मांगों पर ठोस सहमति नहीं बनती, वे पीछे हटने वाले नहीं हैं। इसी बीच, आंदोलन की गंभीरता को देखते हुए दमकल कर्मियों ने अपनी हड़ताल को अब 26 अप्रैल तक बढ़ाने का बड़ा निर्णय लिया है। आज के धरने की अध्यक्षता इकाई प्रधान विनोद खिचड़ ने की, जबकि संचालन राज्य सचिव सतबीर सहारण द्वारा किया गया। आज धरने पर विशेष तौर पर फतेहाबाद जिला प्रधान रघुबीर सिंह, सिरसा जिला प्रधान राजेश खिचड़, राज्य कमेटी सदस्य सतबीर सिंह व गुरमेल सिंह भी पहुंचे। इस दौरान कर्मचारियों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी उपेक्षा का आरोप लगाया। धरने को राजनीतिक समर्थन भी मिलना शुरू हो गया है। आज कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद शर्मा दमकल केंद्र पहुंचे और कर्मचारियों की मांगों को जायज ठहराते हुए उन्हें अपना पूर्ण समर्थन दिया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष अरविंद शर्मा ने सरकार को घेरते हुए कहा, जनता की जान बचाने वाले दमकल कर्मी आज खुद अपने हक के लिए सडक़ों पर बैठने को मजबूर हैं। सरकार को हठधर्मिता छोडक़र तुरंत इनकी जायज मांगों को पूरा करना चाहिए ताकि व्यवस्था सुचारू हो सके।

व्यवस्था पर पड़ा गहरा असर

हड़ताल के चलते अग्निशमन सेवाओं पर बुरा असर पड़ रहा है। फतेहाबाद दमकल केंद्र में कुल 32 कर्मचारी तैनात हैं, जिनमें से 26 कर्मचारी हड़ताल पर हैं। वर्तमान में केवल एक फायर अफसर, एक सब फायर अफसर और 4 नए भर्ती हुए कर्मचारी ही पूरे जिले का जिम्मा संभाले हुए हैं। इससे किसी भी बड़ी अनहोनी की स्थिति में बचाव कार्यों को लेकर चिंता बढ़ गई है। यूनिट प्रधान विनोद खिचड़ और सतबीर सहारण ने बताया कि सरकार लंबे समय से उनकी मांगों को अनसुना कर रही है। कर्मचारियों में फरीदाबाद के मुजेसर अग्निकांड को लेकर गहरा रोष है, जहां आग बुझाते समय झुलसे दो कर्मचारी भवीचंद शर्मा और रणवीर सिंह की मौत हो गई थी। संघ की मांग है कि मृतक कर्मचारियों को शहीद का दर्जा दिया जाए। उनके परिजनों को 1 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाए। कच्चे कर्मचारियों को 58 वर्ष तक की नौकरी की गारंटी मिले। 5,000 रुपये मासिक जोखिम भत्ता और वर्दी-धुलाई भत्ता लागू हो। कौशल रोजगार और पे-रोल कर्मियों के वेतन में वृद्धि की जाए। कर्मचारी नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि 26 अप्रैल तक समाधान नहीं निकला, तो इस आंदोलन को अनिश्चितकालीन हड़ताल में बदल दिया जाएगा। आज के प्रदर्शन में सुशील कुमार, दिवान, कालूराम, पंकज, राकेश, अरविंद और महेन्द्र सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे।

वैश्विक मंच पर भारतीय चिकित्सा पद्धति की बढ़ी प्रतिष्ठा

- होम्योपैथी विशेषज्ञ दंपती के शोधपत्रों को अंतरराष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन में मिली सराहना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

पत्रकारों से बातचीत करते डॉ. कमल जिंदल व डॉ. रूपाली जिंदल।

शहर के होम्योपैथी विशेषज्ञ डॉ. कमल जिंदल और डॉ. रूपाली जिंदल ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। दोनों चिकित्सकों ने लंदन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय होम्योपैथी सम्मेलन में भाग लिया, जिसका आयोजन लंदन कॉलेज ऑफ होम्योपैथी एवं एशियाई होम्योपैथिक लीग के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। डा. कमल जिंदल ने सम्मेलन से लौटने के बाद बुधवार को सिरसा में पत्रकार वार्ता में बताया कि सम्मेलन में होम्योपैथी को लेकर वैश्विक स्तर पर सकारात्मक माहौल देखने को मिला और उनके शोध को जिस तरह सराहा गया, वह भारतीय चिकित्सा पद्धति की स्वीकृति का प्रमाण है। डॉ. जिंदल ने बताया कि सम्मेलन में होम्योपैथी के प्रति वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुझान देखने को मिला और विभिन्न देशों के विशेषज्ञों के साथ संवाद से नई जानकारियां प्राप्त हुईं। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में आधुनिक शोध पद्धतियों, डिजिटल केस स्टडी और इंटीग्रेटेड चिकित्सा प्रणाली पर भी चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि इन अनुभवों से उन्हें अपने मरीजों को और बेहतर एवं वैज्ञानिक आधार पर उपचार देने की प्रेरणा मिली है। डॉ. कमल जिंदल ने एलोपेसिया (बाल झड़ने) के होम्योपैथिक उपचार पर आधारित अपनी केस स्टडी प्रस्तुत की।

राजकीय कन्या स्कूल में दीक्षा कार्यशाला

सिरसा। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मेला ग्राउंड में एक दिवसीय दीक्षा कार्यशाला हुई। डॉ. मनोज पुरी ने एमआईपी के उद्देश्यों, क्रियान्वयन प्रक्रिया तथा कक्षा शिक्षण में सुधार लाने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्टेम मंच एवं स्टेम मेला जैसी प्रमुख शैक्षिक पहलों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

इन पहलों का उद्देश्य विद्यार्थियों में अनुभवात्मक एवं गतिविधि-आधारित अधिगम को प्रोत्साहित करना है। साथ ही, 21वीं सदी के कौशल जैसे समालोचनात्मक चिंतन, सहयोग, संचार एवं रचनात्मकता के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

312 बोर की अवैध बंदूक के साथ आरोपी दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

थाना भट्टूकलां पुलिस ने राजस्थान के एक युवक को अवैध हथियार सहित काबू किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने 312 बोर की एक अवैध छोटी बंदूक बरामद की है, जिसे हॉकी टाइप बंदूक भी कहा जाता है। पकड़े गए आरोपी की पहचान दीपू उर्फ दीपक पुत्र दयानंद, निवासी गांव गढड़ा, जिला हनुमानगढ़, राजस्थान के रूप में हुई है। थाना भट्टूकलां प्रभारी उप-निरीक्षक राधेश्याम ने बताया कि पुलिस टीम फतेहाबाद रोड पर नहर पुल के पास सरकारी गाड़ी में गश्त पर तैनात थी। इसी दौरान टीम ने देखा कि कच्चे रास्ते से एक युवक हाथ में सफेद कट्टा लिए आ रहा है। सामने पुलिस पार्टी को देखकर आरोपी घबरा गया और पीछे मुडक़र भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए पीछा कर उसे मौके पर ही दबोच लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास मौजूद सफेद कट्टे से 312 बोर की अवैध छोटी बंदूक बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना भट्टूकलां में आम्र्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है।

30 जून तक ड्रेन और सीवर की सफाई करने के निर्देश

मानसून को लेकर तैयारियां तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

आगामी मानसून सीजन को देखते हुए जिला प्रशासन ने बाढ़ सुरक्षा प्रबंधों को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। डीसी डॉ. विवेक भारती ने बुधवार को अधिकारियों की बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने कहा कि जिले में जल निकासी व्यवस्था को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है। इसके तहत सभी ड्रेन, नालों और नहरों की सफाई का कार्य 30 जून से पहले हर हाल में पूरा किया जाए। डीसी ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि जिले में मौजूद 13 प्रमुख ड्रेनों की सफाई सुनिश्चित की जाए, ताकि बरसात के दौरान जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो।

जरूरी उपकरणों को समय पर करें दुरुस्त

बैठक में पंप हाउस, मशीनरी तथा अन्य बाढ़ सुरक्षा कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए डीसी डा. विवेक भारती ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक उपकरणों को समय रहते दुरुस्त रखा जाए। सिंचाई विभाग को निर्देश दिए गए कि उनके पास उपलब्ध 136 पंप सेट, जो पानी निकासी के लिए उपयोग किए जाते हैं, पूरी तरह कार्यशील स्थिति में रहें। जिन पंप सेटों की मरम्मत आवश्यक है, उन्हें समय रहते ठीक कर लिया जाए, ताकि मानसून के दौरान किसी प्रकार की बाधा न आए। इसके अलावा जनस्वास्थ्य विभाग, शहरी स्थानीय निकाय और पंचायती राज विभाग को निर्देश दिए गए कि वे आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त पंप सेट की खरीद सुनिश्चित करें। डीसी ने जनस्वास्थ्य विभाग को यह भी निर्देश दिए कि 30 जून तक सीवरेज सिस्टम की समुचित सफाई कर ली जाए, जिससे बरसात के समय जलभराव की समस्या से बचा जा सके।

दीपक वर्मा के एसडीओ बनने पर किया सम्मानित

दक्ष प्रजापति ट्रस्ट ने किया विशेष सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। दीपक वर्मा के एसडीओ बनने पर सम्मानित करते दक्ष प्रजापति शिक्षार्थ ट्रस्ट के सदस्य।

समाज में शिक्षा और मेहनत के दम पर सफलता हासिल करने वाले युवाओं को प्रोत्साहित करने की कड़ी में, दक्ष प्रजापति शिक्षार्थ ट्रस्ट फतेहाबाद द्वारा एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भारतीय वायु सेना के पूर्व जवान व बीएसएनएल के सेवानिवृत्त अधिकारी एडवोकेट राम लाल कांटीवाल, इंदाछोई वाले के पुत्र दीपक वर्मा को बिजली विभाग में एसडीओ के पद पर नियुक्त होने पर सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के सदस्यों ने दीपक वर्मा और उनके परिवार को पारंपरिक तरीके से पगड़ी, शॉल, पुष्पगुच्छ और महाराज दक्ष प्रजापति की प्रतिमा भेंट कर बधाई दी। गौरतलब है कि दीपक वर्मा इससे पूर्व बिजली विभाग में ही जे.ई. के पद पर कार्यरत थे और अब अपनी मेहनत से उन्होंने अधिकारी पद प्राप्त किया है। रामलाल कांटीवाल का पूरा परिवार शिक्षा और सरकारी सेवाओं में अग्रणी रहा है। उनकी सुपुत्री ने भी अपनी काबिलियत के दम पर एसएससी परीक्षा उत्तीर्ण की और वर्तमान में सीआईएसएफ में डायरेक्ट सब-इंस्पेक्टर के पद पर तैनात हैं। वहीं, उनकी पुत्रवधू भी भारतीय जीवन बीमा निगम में विकास अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर दक्ष प्रजापति शिक्षार्थ ट्रस्ट के मुखिया बलवंत नोखवाल ढाबी कलां, राम सिंह फौजी भोडा होशनाक, रामनिवास उभा करंडी वाले, सोहनलाल छापोला फतेहाबाद, सतवीर नोखवाल सेवानिवृत्त हिंदी अध्यापक, सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मनोहर लाल गेदर, अध्यापक सोमवीर, अध्यापक मेवा सिंह, नंदलाल शीतल फ्लेक्स के साथ-साथ अमरजीत व सम्मत राम माहर कुलाना मुख्य रूप से शामिल हुए।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| टोहाना

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने बुधवार को अपने निवास पर पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनके त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। जनसंवाद के दौरान सांसद ने क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने नागरिकों द्वारा रखी गई विभिन्न प्रशासनिक एवं विकास कार्यों से जुड़ी बातों को ध्यानपूर्वक सुना। समस्याओं के शीघ्र निवारण हेतु उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ बिना किसी असुविधा के सरलता से प्राप्त हो सके। सांसद सुभाष बराला ने कहा कि वर्तमान सरकार जनसेवा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक सरकारी सुविधाओं से वंचित न रहे। सरकार विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है। प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक जनहितैषी बनाने के उद्देश्य से सांसद ने संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देश दिए कि जनकार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से समस्याओं का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अव्यवस्थाओं के चलते अनाज मंडियों में किसानों की हालत दयनीयः केवी सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| डबवाली

सिरसा। किसानों से बातचीत करते डॉ. केवी सिंह।

कांग्रेस नेता डॉ. केवी सिंह डबवाली क्षेत्र की कई अनाज मंडियों का जायजा लेने के बाद कहा कि सरकार के दाना दाना खरीदने के दावे हकीकत में बिल्कुल फेल है, मंडियों में भारी अनियमिताओ तथा अव्यवस्थाओं के चलते किसानों की हालत बुरी है। उन्होंने कहा कि पोर्टल, सर्वर लगातार कई कई घंटे डाउन रहने के चलते लंबी लंबी लाइनें लगी हुई हैं और किसानों का हाल पूछने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि मंडियों में पीने का पानी नहीं है जहां फसल की खरीद हो गई है वहां बारदाना नहीं है और जहां बारदाना है वहां उठान कछुए की चाल से हो रहा है। उन्होंने कहा कि ये हाल किसी एक मंडी का नहीं बल्कि पूरे हरियाणा का है और जिओ फैंसिंग में जो एरिया निश्चित किया गया है उसी के हिसाब से अनाज डालना पड़ता है और अगर थोड़ा बाहर रह जाए तो उसकी खरीद नहीं होती। डॉ. सिंह ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस सरकार के समय वर्ष 2013 में बिना किसी समस्या के 87 लाख मीट्रिक टन फसल की खरीद की गई थी और उस के मुकाबले में इस बार मौजूदा सरकार का 72 लाख एमटी फसल खरीद का लक्ष्य है पर हालात ये हैं कि हरियाणा की मंडियों में अभी तक 25 लाख एमटी फसल तुली नहीं है और जो 27 लाख एमटी फसल तुली है उसका अभी तक उठान नहीं हुआ है।

नो पार्किंग में खड़े कैंटर से हंस मार्केट की गली में जाम

लोगों को परेशानी, यातायात प्रभावित

- कुछ दिन पहले पुलिस ने जाम लगाने वाले बड़े वाहनों पर लिया था सख्त एक्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर की हंस मार्केट से सरकारी अस्पताल को जाने वाली गली में नो पार्किंग क्षेत्र होने के बावजूद खड़े कैंटरों के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गली में अवैध रूप से खड़े वाहनों की वजह से न केवल यातायात बाधित हो रहा है, बल्कि दुकानदारों के कारोबार पर भी इसका नकारात्मक असर पड़ रहा है। बता दें कि कुछ समय पहले ट्रेफिक पुलिस द्वारा यहां जाम लगाने वाले बड़े वाहनों पर सख्त एक्शन भी लिया गया था। वाहन चालकों व दुकानदारों को चेतावनी दी गई थी कि वह हैवी वाहनों को सुबह व रात के समय ही अनलोड के लिए लाए। दिन के समय इनके कारण गली अवरूद्ध नहीं होनी चाहिए। ट्रेफिक पुलिस के सख्त रवैये के चलते दुकानदारों के तेवर ढीले पड़े और दिन इस पर गौर भी हुआ लेकिन अब एसपी के तबादले के बाद ट्रेफिक पुलिस के तेवर भी ढीले पड़ गए हैं। अब दिन के समय शहर में घुस रहे हैवी वाहनों के कारण सडक़ें जाम हो रही हैं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही।

सीएमके कॉलेज के चार विद्यार्थियों ने पाया मेरिट सूची में स्थान

सिरसा। सीएमके नेशनल स्नातकोत्तर महाविद्यालय के जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों ने चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। बीएजेएमसी प्रथम सेमेस्टर की छात्रा एंजल कौर ने विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में द्वितीय स्थान, छात्रा काजल ने पॉचवां स्थान व तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी संजय ने आठवां व रवि ने दसवां स्थान हासिल कर विभाग की शैक्षणिक उत्कृष्टता को नई पहचान दी। प्राचार्या अंशु उप्पल ने चारों विद्यार्थियों को ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया और कहा कि सीएमके महाविद्यालय सदैव प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मेहनत व अनुशासन तथा समर्पण की भावना ही विद्यार्थियों को सफलता के शिखर तक पहुंचाती है और उनकी यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत बनेगी। कॉलेज के डिप्टी सुपरिटेंडेंट अमृत सिंह ने विद्यार्थियों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया।

गांव धोतड की श्री अमरनाथ गोशाला के प्रांगण में चेक वितरण समारोह

38 गोशालाओं को सवा दो करोड़ रुपये की राशि सौंपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रानियां

सिरसा। गोशाला प्रबंधकों को चेक भेंट करते विधायक कपूर सिंह।

गांव धोतड की श्री अमरनाथ गोशाला के प्रांगण में बुधवार को चेक वितरण समारोह का आयोजन किया गया। बुवानीखेड़ा के विधायक कपूर सिंह ने हल्का प्रतिनिधि शीशपाल कंबोज की अध्यक्षता में क्षेत्र की 38 गौशालाओं के प्रबंधकों को 22,58,2300 रुपये के चेक सौंपें। मुख्य अतिथि विधायक कपूर सिंह ने कहा कि गाय की सेवा पुण्य का कार्य है। गाय को मां का दर्जा दिया गया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की सोच है कि गोमाता बेसहारा न रहे और सड़कों पर न भटके। उन्होंने बताया कि पहले मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी ने गाय संरक्षण के लिए 600 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया था। अब मौजूदा मुख्यमंत्री ने इसे बढ़ाकर 850 करोड़ रुपये प्रति वर्ष कर दिया है। उन्होंने बताया कि डेढ़ माह पहले भी सरकार ने प्रदेश की गोशालाओं को लगभग 70 करोड़ रुपये की सहायता राशि जारी की थी।

आवंटन करने की लगाई ड्यूटी

हर विधानसभा हलके में जाकर आवंटन करने की ड्यूटी लगाई गई है। विधायक कपूर सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार की कथनी और करनी में कोई अंतर नहीं है। पूरे प्रदेश में बिना भेदभाव एक समान विकास किया जा रहा है। पक्ष हो या विपक्ष किसी भी क्षेत्र के विकास में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी जा रही। सबका साथ सबका विकास सब का सम्मान इसी सोच को लेकर सरकार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने राजनीति के मायने ही बदल दिए हैं। पिछली सरकारों में भेदभावपूर्ण रवैया अपनाया जाता था। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष एवं हल्का प्रतिनिधि शीशपाल कंबोज, हरियाणा राज्य गौशाला संघ के जिला अध्यक्ष नरेंद्र कुमार नैन, ब्लॉक अध्यक्ष ओमप्रकाश पोपली, गौशाला के प्रधान संदीप मैहला, अमरीक सिंह राही, अंग्रेज सिंह औलख, पूर्व सरपंच राजेंद्र मैहला और विनोद सहारण, मार्केट कमेटी के पूर्व वाइस चेयरमैन संजय सिंगला, उद्योगपति संदीप मित्तल, अरिहंत फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेश जैन आदि मौजूद थे।

क्रेसंट स्कूल में 'धरती है जीवन का आधार - इसकी रक्षा हमारा कर्तव्य' थीम के साथ पृथ्वी दिवस मनाया

अर्थ डे पर लें शपथ, पेड़ काटकर नहीं करेंगे अनर्थ धरती हम सबकी है, सब मिलकर करेंगे इसकी रक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

क्रेसंट स्कूल में 'धरती है जीवन का आधार - इसकी रक्षा हमारा कर्तव्य' थीम के साथ पृथ्वी दिवस विद्यालय के प्री-प्राथमिक के नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा अत्यंत हर्ष, उत्साह एवं जागरूकता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा छह व चार के विद्यार्थियों द्वारा विशेष प्रार्थना सभा से हुआ। छात्रा निधि के मंच संचालन में पेहुल, वमिका, विश्वेश व अनमोल ने अपने प्रेरणादायक सुविचारों के माध्यम से बताया कि धरती को स्वस्थ करें, भविष्य को सुरक्षित करें। खुशी शर्मा व हर्षवर्धन ने भाषण के माध्यम से सभी को पृथ्वी संरक्षण का संदेश दिया। कहा कि अर्थ डे पर लें शपथ, पेड़ काटकर नहीं करेंगे अनर्थ धरती हम सबकी है-सब मिलकर करेंगे इसकी रक्षा।

जिया, काव्या, केसर, कुहू, हर्षित, प्रणवी, रिधम, सिद्धार्थ, स्मायरा एवं यज्ञा द्वारा प्रस्तुत स्किट ने प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का सुंदर संदेश दिया। कियान ने सामान्य ज्ञान के प्रश्न पूछ कर उपस्थित विद्यार्थियों के ज्ञान को परखा। प्री प्राइमरी विंग के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अपनी प्रस्तुतियों से दिल जीत लिया। सीनियर केजी के विद्यार्थियों ने वृक्ष बचाओ, प्लास्टिक हटाओ विषय पर ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि जूनियर केजी के विद्यार्थियों ने प्रकृति की सुंदरता को दर्शाता नृत्य प्रस्तुत किया। कक्षा चार के विद्यार्थियों ने ऊंची धरती, नीची धरती, हरे-भरे पेड़ों से सजती कविता का सुस्वर वाचन किया एवं नर्सरी के नन्हे सितारों ने धरती बचाओ विषय पर कविता-नृत्य कर सभी को भावविभोर कर दिया। फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में नन्हे मुन्नों ने पौधा, पृथ्वी, मिर्च, समाचार पत्र एवं जल की बूंद का रूप धारण कर पर्यावरण संरक्षण का अद्भुत संदेश दिया। अभिभावकों की सहभागिता ने कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया। बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता में अभिभावकों ने अपनी सृजनात्मकता का शानदार प्रदर्शन किया। निर्णायक मंडल के आधार पर मदर्स ऑफ रगवी व हरशुल ने प्रथम स्थान, मनताज व केशव की मदर्स ने द्वितीय स्थान एवं सुखविन व जानया की मदर्स ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नृत्य, गीत एवं रैंप वॉक में भी अभिभावकों ने भाग लिया। अभिभावकों के लिए खेलों का आयोजन भी किया गया।

फतेहाबाद। क्रेसंट स्कूल मे पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते नन्हें विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

पृथ्वी को सुरक्षित रखना हमारी

सिरसा। स्कूल में पृथ्वी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

सिरसा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बप्पां में बुधवार को पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। मुख्य वक्ता नरेश कुमार ग्रोवर ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भी घर में कोई खुशी का अवसर हो, जन्मदिन हो या कोई विशेष दिन हो, उस अवसर पर एक पौधा अवश्य लगाएं। इससे न केवल पर्यावरण सुरक्षित होगा, बल्कि पृथ्वी के प्रति हमारे उत्तरदायित्व का भी निर्माण होगा। उन्होंने बताया कि पृथ्वी दिवस हर वर्ष 22 अप्रैल को मनाया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1970 में हुई थी। उन्होंने कहा कि पृथ्वी दिवस मनाने का मुख्य कारण लोगों को यह समझाना है कि पृथ्वी हमारा एकमात्र घर है और इसकी सुरक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। बढ़ते प्रदूषण, पेड़ों की कटाई, जल संकट और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं को देखते हुए यह दिन और भी महत्वपूर्ण हो गया है। प्राचार्य मनीष मेहता ने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि आज हम पेड़-पौधों की रक्षा करेंगे, तभी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण मिल सकेगा।

फतेहाबाद। पॉयनियर स्कूल में पृथ्वी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेती छात्राएं।

विश्व पृथ्वी दिवस पर पॉयनियर कॉन्वेंट स्कूल में किया जागरूक

फतेहाबाद। पृथ्वी दिवस के अवसर पर पॉयनियर कॉन्वेंट स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और उन्हें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराना था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना के साथ हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने सुंदर गीत प्रस्तुत कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाषण और लघु नाटिकाओं के माध्यम से वृक्षारोपण, जल संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के महत्व को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे सभी उपस्थित छात्र-छात्राएं प्रेरित हुए। विद्यालय की उप-प्रधानाचार्या तनु भाटिया ने विद्यार्थियों को जल संरक्षण के सरल और प्रभावी उपायों के बारे में जानकारी दी तथा उन्हें दैनिक जीवन में इन्हें अपनाने के लिए प्रेरित किया। अंत में सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मिलकर पृथ्वी को स्वच्छ, हरित और सुरक्षित बनाए रखने की शपथ ली।

एपेक्स स्कूल में पृथ्वी दिवस, हरित चेतना पर्यावरणीय उत्तरदायित्व का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। अपेक्स स्कूल में कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

सतीश कॉलोनी स्थित एपेक्स कॉन्वेंट स्कूल में पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में एक जागरूकतापरक एवं प्रेरणास्पद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। प्रधानाचार्य मोहित अनेजा ने पर्यावरणीय संतुलन की अनिवार्यता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्रकृति का संरक्षण प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक कर्तव्य बन चुका है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे सकारात्मक प्रयासों को अपनाकर एक बड़े परिवर्तन की दिशा में अग्रसर हों।

इस अवसर पर एक अभिनव पहल के अंतर्गत प्रत्येक कक्षा को एक पौधा प्रदान किया गया, जिसके संरक्षण एवं पोषण का दायित्व संबंधित कक्षा के अध्यापक एवं विद्यार्थियों को सौंपा गया। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन एवं प्रकृति के प्रति आत्मीयता का विकास करना है। विद्यार्थियों ने पोस्टर निर्माण, नारे लेखन एवं लघु भाषणों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के विविध आयामों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण एवं वृक्षारोपण की आवश्यकता पर भी अपने विचार व्यक्त किए।

पोस्टर बना पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

फतेहाबाद। आदर्श स्कूल दरियापुर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

फतेहाबाद। गांव दरियापुर स्थित आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बुधवार को पृथ्वी दिवस बड़े उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम हमारी पृथ्वी, हमारा भविष्य, हमारी जिम्मेदारी रही, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर विद्यालय में विभिन्न रचनात्मक और शिक्षाप्रद गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें पोस्टर मेकिंग, रोल प्ले, नेचर वॉक और पौधारोपण प्रमुख रहे। विद्यार्थियों ने आकर्षक पोस्टरों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया, वहीं रोल प्ले के जरिए प्रकृति की रक्षा के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। नेचर वॉक के दौरान छात्रों ने प्रकृति की सुंदरता को नजदीक से अनुभव किया और उसके संरक्षण की शपथ ली। इसके साथ ही एक पेड़ लगाओ, एक जीवन बचाओ के संदेश के साथ विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि आइए, हर दिन को पृथ्वी दिवस बनाएं। बदलाव लाएं, पृथ्वी से प्रेम करें। विद्यालय प्रशासन ने इस पहल को भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक सकारात्मक कदम बताया। इस आयोजन ने छात्रों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को और अधिक सशक्त किया।

पृथ्वी दिवस पर विद्यार्थियों को प्लास्टिक के कम उपयोग के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

फतेहाबाद। डीएवी पुलिस स्कूल में पृथ्वी दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी।

पुलिस लाइन स्थित डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, फतेहाबाद की एनएसएस इकाई द्वारा पृथ्वी दिवस बड़े जोश और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिताओं के जरिए विद्यार्थियों ने प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, जल संरक्षण और सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किए। विद्यालय प्राचार्या ने एनएसएस इकाई के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि पृथ्वी की रक्षा करना हम सभी का कर्तव्य है और यह जिम्मेदारी आज के युवा वर्ग को समझनी होगी। छात्रों को प्रेरित किया कि वे छोटे-छोटे बदलाव लाकर पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में शिक्षकों ने विद्यार्थियों को ऊर्जा संरक्षण, प्लास्टिक के कम उपयोग और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के बारे में जागरूक किया। इस प्रकार, पयह आयोजन न केवल ज्ञानवर्धक रहा, बल्कि छात्रों में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में सफल रहा।

फतेहाबाद। टैगोर स्कूल में विद्यार्थियों को पौधे वितरित करते डायरेक्टर ज्योति शैलेन भास्कर। फोटो : हरिभूमि

टैगोर मॉडल स्कूल में पृथ्वी दिवस पर विद्यार्थियों में वितरित किए गए पौधे

फतेहाबाद। पृथ्वी दिवस के अवसर पर टैगोर मॉडल स्कूल, फतेहाबाद एवं टैगोर किड्स गार्डन में पर्यावरण संरक्षण को समर्पित एक प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व स्कूल की डायरेक्टर ज्योति शैलेन भास्कर, प्रिंसिपल हरमीत मक्कड़ तथा कोऑर्डिनेटर्स मोनू शर्मा और शफाली झांब ने किया। इस अवसर पर विद्यालय में पौधारोपण अभियान चलाया गया, जिसमें विद्यार्थियों एवं स्टाफ ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। साथ ही विद्यार्थियों को पौधे वितरित किए गए, ताकि वे घर पर भी पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकें। विशेष आकर्षण के रूप में टैगोर किड्स गार्डन नर्सरी से यूकेजी तक के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों द्वारा सुंदर एवं संदेशपूर्ण प्रस्तुतियां दी गईं। बच्चों ने कविता, गीत, नृत्य और एक्टिविटी के माध्यम से भावपूर्ण संदेश दिया, जिसने सभी उपस्थित जनों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने पोस्टर और स्लोगन्स के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों का उद्देश्य बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। कार्यक्रम का समापन पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक संकल्प के साथ किया गया।

पेड़-पौधे हमारे जीवन का आधार इन्हें बचाना हमारी जिम्मेदारी

सिरसा। नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन महाविद्यालय में इको कम नेचर कल्ब की तरफ से आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में प्राचार्या डॉ. पूनम मिगलानी ने पौधा लगाकर शुरूआत की। उन्होंने कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और छात्रों को प्रकृति के प्रति जिममेदारी का अहसास कराना बताया। उन्होंने बताया पेड पौधे हमारे जीवन का आधार है और इन्हें बचाना भी हमारी जिममेदारी है। इंचार्ज डॉ. संजय चौधरी ने कहा कि पेड़ पौधों के बिना पृथ्वी पर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। उन्होने सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया ताकि बढ़ते प्रदूषण को कम किया जा सके और ऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाया जा सके। सभी ने इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए पर्यावरण को स्वच्छ और हरा भरा बनाने का संकल्प लिया।

सिरसा। विश्व पृथ्वी दिवस पर महाविद्यालय में पौधारोपण करते विद्यार्थी।

सेंट जेवियर्स स्कूल, तामसपुरा में बच्चों ने पौधे लगाकर मनाया पृथ्वी दिवस

फतेहाबाद। गांव तामसपुरा स्थित सेंट जेवियर्स पब्लिक स्कूल में पृथ्वी दिवस बड़े हर्षोल्लास, उत्साह और जागरूकता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत विशेष प्रार्थना सभा से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं ने भाषण, स्किट, कविता और नृत्य प्रस्तुत कर धरती बचाओ का सशक्त आह्वान किया। बच्चों ने अपने प्रस्तुतिकरण के माध्यम से प्रकृति के महत्व, प्रदूषण के दुष्प्रभाव और पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया। विद्यालय प्रबंधन व अध्यापकों ने भी विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पृथ्वी को सुरक्षित रखना हम सभी का कर्तव्य है और छोटे-छोटे प्रयासों से भी बड़ा बदलाव लाया जा सकता है।

फतेहाबाद। सेंट जेवियर्स स्कूल, तामसपुरा में पौधारोपण करते विद्यार्थी।

अर्थ डे पर विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

ओढां। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर बुधवार को पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय ओढ़ा में कार्यक्रम हुआ। प्राचार्य ललित कालड़ा ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति गंभीरता से सोचने और व्यावहारिक कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन मानव जीवन के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। यदि समय रहते इन समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाली पीढ़ीयों को इसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं जैसे प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करना, घर और विद्यालय में कचरे को अलग-अलग करना, अनावश्यक बिजली और पानी की बर्बादी को रोकना तथा अधिक से अधिक पौधे लगाना। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी यदि अपने स्तर पर एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करने का संकल्प ले, तो यह एक बड़े अभियान का रूप ले सकता है। कार्यक्रम में सभी ने पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लिया। इसके पश्चात कक्षा सात के छात्र इंद्रजीत ने पर्यावरण जागरूकता विषय पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया। वहीं छात्रा भूमिका ने विश्व पृथ्वी दिवस के महत्व पर भाषण के माध्यम से सभी को जागरूक किया। इस दौरान मास्टर ऑन ड्यूटी जूली झा ने भी अपने विचार साझा करते हुए विद्यार्थियों को प्लास्टिक के कम उपयोग, वृक्षारोपण को बढ़ावा देने और जल संरक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

शांति निकेतन स्कूल में मनाया गया विश्व पृथ्वी दिवस

फतेहाबाद। संन्यास आश्रम रोड़ स्थित शांति निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विश्व पृथ्वी दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया, जिसमें पोस्टर मेकिंग, कोलाज, वाद-विवाद और वृक्षारोपण के माध्यम से धरती बचाओ, जीवन बचाओ का संदेश दिया गया। छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक के कम उपयोग, और ऊर्जा संरक्षण का संकल्प लिया। छात्र-छात्राओं ने सेव अर्थ, सेव वाटर और प्लास्टिक मुक्त पृथ्वी जैसे विषयों पर रचनात्मक पोस्टर बनाए। विद्यालय परिसर में प्रधानाचार्य सुभाष शर्मा और शिक्षकों ने मिलकर पौधे लगाए। बच्चों ने पुराने कागजों का उपयोग कर बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट मेकिंग में भाग लिया। प्रधानाचार्य सुभाष शर्मा ने छात्रों को दैनिक जीवन में पानी बचाने, बिजली बचाने और कचरा कम करने की शपथ दिलाई।

धर्मचंद इंस्पेक्टर बने, एसपी ने स्टार लगाकर दी बधाई

सिरसा। जिला पुलिस में करीब 37 वर्षों की लंबी, समर्पित एवं उल्लेखनीय सेवा देने के बाद उपनिरीक्षक धर्मचंद जाखड़ को निरीक्षक पद पर पदोन्नत किया गया है। इस अवसर पर जिला पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने उन्हें स्टार लगाकर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि धर्मचंद जाखड़ ने अपने पूरे सेवाकाल में जनहित को सर्वोपरि रखते हुए कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया है। एसपी ने कहा कि ऐसे कर्मठ और अनुभवी अधिकारियों से विभाग को निरंतर मजबूती मिलती है और आमजन का पुलिस के प्रति विश्वास भी बढ़ता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

कवायद | सरकार ऐसे बच्चों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार कर रही प्रयास

क्षमता के अनुरूप करें दिव्यांग बच्चों के कौशल का विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिरसा

हरियाणा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी. अनुपमा ने कहा कि दिव्यांग बच्चों की क्षमता के अनुरूप उनमें कौशल विकसित करने के लिए सरकार लगातार प्रयासरत है। इस दिशा में पूरे प्रदेश में दिव्यांग बच्चों से संबंधित स्कूलों, संस्थानों में लगातार न केवल इंफ्रास्ट्रक्चर सहित बुनियादी सुविधाएं और बढ़ाई जा रही हैं बल्कि उनमें कौशल विकसित करते हुए समाज की मुख्यधारा से जोड़ा जा रहा है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने बुधवार को हेलन केलर दृष्टिंबाधितार्थ विद्यालय तथा प्रयास स्कूल का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त शांतनु शर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त अर्पित संगल, विभाग के संयुक्त निदेशक अर्पित, जिला समाज कल्याण अधिकारी सत्यवान ढिलौड, जिला कल्याण अधिकारी राकेश कुमार तथा विद्यालय प्रिंसिपल राजेंद्र कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान एसीएस डॉ. जी अनुपमा ने दोनों स्कूलों में बच्चों के बैठने की व्यवस्था, कक्षाओं की स्थिति और उपलब्ध सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों के स्वास्थ्य की समय-समय पर नियमित जांच सुनिश्चित की जाए ताकि उनके समग्र विकास में कोई बाधा न आए। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कहा कि इन दोनों संस्थानों को हरियाणा में एक मॉडल स्कूल के रूप में पहचाना जाए, इसके लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की जाए।

सिरसा। हेलन केलर दृष्टिबाधितार्थ विद्यालय का निरीक्षण करती एसीएम अनुपमा।

दिव्यांग बच्चों का मनोबल बढ़ाएं

दिव्यांग बच्चों का मनोबल बढ़ाना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हुए आत्मनिर्भर बन सके। उन्होंने अभिभावकों की नियमित काउंसलिंग करने, स्कूल में नामांकन बढ़ाने और बच्चों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विद्यालयों में फंड की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी और आवश्यकतानुसार स्टाफ की भर्ती जल्द पूरी की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जो बच्चे कंप्यूटर सीखने में सक्षम हैं, उन्हें विशेष रूप से कंप्यूटर शिक्षा प्रदान की जाए। एसीएस ने यह भी कहा कि जो विद्यार्थी इन संस्थानों से शिक्षा प्राप्त कर आगे चलकर सफल हुए हैं या स्वयं का व्यवसाय कर रहे हैं, उनकी सक्सेस स्टोरी तैयार कर अन्य बच्चों को प्रेरित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन स्कूलों के समग्र विकास के लिए एक ठोस और दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार की जाए, जिससे दिव्यांग विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और अवसर मिल सकें।

सूरतिया में कानूनी जागरूकता शिविर

सिरसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से वर्ल्ड अर्थ डे के उपलक्ष्य में गांव सूरतिया में कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर पौधारोपण भी किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि ग्रीन जस्टिस इनिशिएटिव की थीम पर आधारित कानूनी जागरूकता शिविर के अलावा वन विभाग के सहयोग से सौ से अधिक पौधारोपण भी किया गया। उन्होंने आह्वान किया कि वे वातावरण के प्रति सजग और जिम्मेदारी समझते हुए पौधे लगाएं जिससे वातावरण शुद्ध हो, पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन मिल पाए जो सभी के लिए जीवन का आधार है। बताया कि सिरसा के स्कूलों और जिला न्यायालय परिसर में भी अर्थ डे मनाया गया।